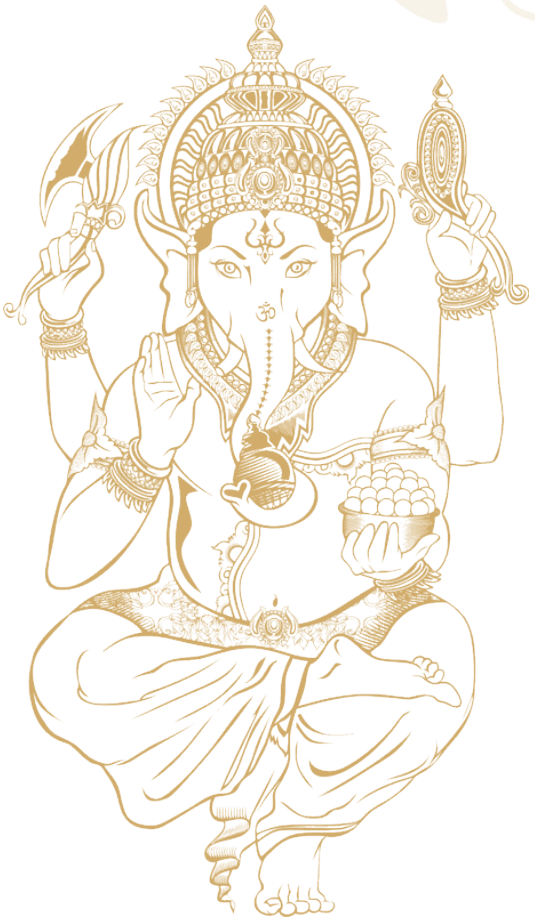

18 May 2000

06:05 AM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 121348102

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18/05/2000**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**06:05:00 घंटे**
इष्ट	01:58:37 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:58:36 घंटे
वेलान्तर	00:03:35 घंटे
साम्पातिक काल	21:42:39 घंटे
सूर्योदय	05:17:33 घंटे
सूर्यास्त	18:48:28 घंटे
दिनमान	13:30:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	03:31:35 वृष
लग्न के अंश	15:10:34 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	परिघ
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	15:10:34	370:46:26	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	---
सूर्य			वृष	03:31:35	00:57:46	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	00:13:51	12:18:15	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	नीच राशि
मंगल		अ	वृष	16:03:02	00:41:29	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
बुध			वृष	14:01:45	02:04:07	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु		अ	मेष	26:21:34	00:14:12	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	मित्र राशि
शुक्र		अ	मेष	26:56:30	01:13:45	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	सम राशि
शनि		अ	मेष	27:30:29	00:07:42	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	02:24:29	00:10:10	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	02:24:29	00:10:10	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	26:56:41	00:00:22	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:41:27	00:00:18	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:04:35	00:01:33	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			मक	29:27:49	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:28

लग्न-चलित

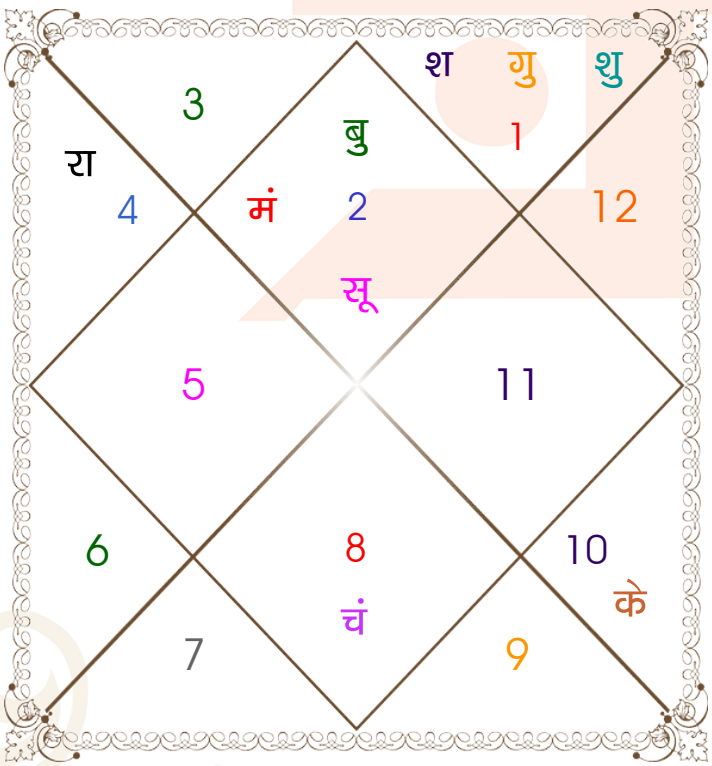

चन्द्र कुंडली

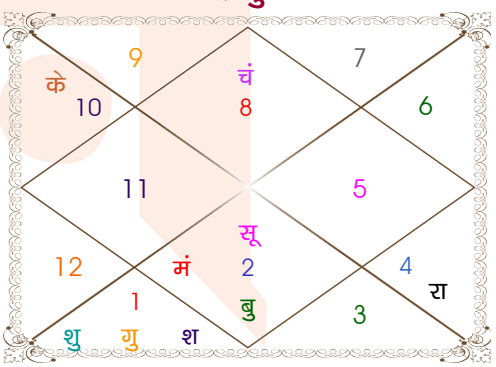

नवमांश कुंडली

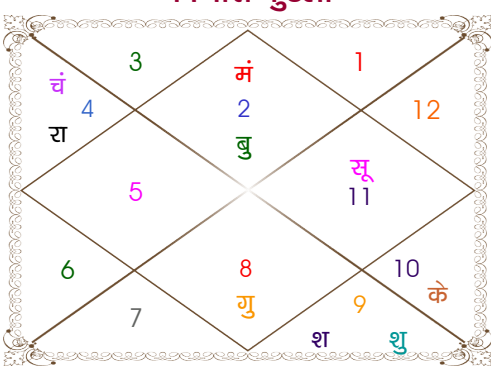

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 8 मास 20 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/05/2000		07/02/2004		06/02/2023		07/02/2040		06/02/2047	
07/02/2004		06/02/2023		07/02/2040		06/02/2047		06/02/2067	
	00/00/0000	शनि	09/02/2007	बुध	05/07/2025	केतु	05/07/2040	शुक्र	08/06/2050
	00/00/0000	बुध	19/10/2009	केतु	02/07/2026	शुक्र	04/09/2041	सूर्य	08/06/2051
	00/00/0000	केतु	28/11/2010	शुक्र	02/05/2029	सूर्य	10/01/2042	चंद्र	06/02/2053
	00/00/0000	शुक्र	28/01/2014	सूर्य	08/03/2030	चंद्र	11/08/2042	मंगल	08/04/2054
	00/00/0000	सूर्य	10/01/2015	चंद्र	08/08/2031	मंगल	07/01/2043	राहु	08/04/2057
	18/05/2000	चंद्र	10/08/2016	मंगल	04/08/2032	राहु	25/01/2044	गुरु	08/12/2059
चंद्र	07/10/2000	मंगल	19/09/2017	राहु	22/02/2035	गुरु	31/12/2044	शनि	06/02/2063
मंगल	13/09/2001	राहु	26/07/2020	गुरु	29/05/2037	शनि	09/02/2046	बुध	07/12/2065
राहु	07/02/2004	गुरु	06/02/2023	शनि	07/02/2040	बुध	06/02/2047	केतु	06/02/2067

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
06/02/2067		06/02/2073		06/02/2083		06/02/2090		08/02/2108	
06/02/2073		06/02/2083		06/02/2090		08/02/2108		00/00/0000	
सूर्य	27/05/2067	चंद्र	07/12/2073	मंगल	05/07/2083	राहु	19/10/2092	गुरु	28/03/2110
चंद्र	25/11/2067	मंगल	08/07/2074	राहु	23/07/2084	गुरु	15/03/2095	शनि	08/10/2112
मंगल	01/04/2068	राहु	07/01/2076	गुरु	29/06/2085	शनि	19/01/2098	बुध	14/01/2115
राहु	24/02/2069	गुरु	08/05/2077	शनि	08/08/2086	बुध	08/08/2100	केतु	21/12/2115
गुरु	13/12/2069	शनि	07/12/2078	बुध	05/08/2087	केतु	27/08/2101	शुक्र	21/08/2118
शनि	25/11/2070	बुध	08/05/2080	केतु	01/01/2088	शुक्र	26/08/2104	सूर्य	09/06/2119
बुध	02/10/2071	केतु	07/12/2080	शुक्र	02/03/2089	सूर्य	21/07/2105	चंद्र	19/05/2120
केतु	07/02/2072	शुक्र	08/08/2082	सूर्य	08/07/2089	चंद्र	20/01/2107		00/00/0000
शुक्र	06/02/2073	सूर्य	06/02/2083	चंद्र	06/02/2090	मंगल	08/02/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 8 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ठ धघ्नादि प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगी या जी चुरायेंगी तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ठ धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहती हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नही लेती हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करती हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेती हों उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखती हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभांश प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाती हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त कर लेती हैं।

क्योंकि आप यह जानती हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम पड़ता हैं तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाती हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना की महिला नही हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहती हैं।

स्वाभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाली प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाली तथा पीछे मुडकर नहीं देखती हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नही चाहती यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरूचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझती हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय की प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्त्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नही लगती है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन दुखियों की सहायक होंगी।

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकती हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगी। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगी। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहती हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं।

अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।